11 भारतवर्ष हमारा है

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
(जन्म : सन् 1897 ई., निधन : सन् 1960 ई.)

बालकृष्ण शर्मा का जन्म मध्य प्रदेश के शाजापुर परगने के मदाना गाँव में हुआ था । ग्यारह वर्ष की आयु में इनकी शिक्षा आरंभ हुई । ये उच्च शिक्षा के लिए कानपुर आये किन्तु गाँधीजी के आह्‌वान पर वे कॉलेज छोड़कर राजनीति में सक्रिय हुए । स्वतंत्रता आंदोलन का इन पर गहरा प्रभाव पड़ा । इसीलिए राष्ट्रभक्ति और अन्याय के प्रति विद्रोह की चिनगारी इनके भीतर प्रकट हुई । अपने लंबे राजनीतिक जीवन के दौरान इन्हें कई बार जेल जाना पड़ा । ये लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं । कुछ समय तक इन्होंने 'प्रभा' और 'प्रताप' पत्रों का संपादन भी किया । भारत सरकार द्वारा इन्हें 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया गया ।

'कुंकुम', 'रश्मिरेखा', 'उर्मिला' तथा 'हम विष-पायी जनम के' आदि इनकी सुप्रसिद्ध रचनाएँ हैं ।

'भारतवर्ष हमारा है' काव्य राष्ट्रप्रेम से भरपूर है । स्वतंत्रता की लहर से भारत के नवनिर्माण के लिए कवि ने आह्‌वान किया है । कवि ने यहाँ जनमन के उत्साह को व्यक्त किया है ।

कोटि-कोटि कंठों से निकली आज यही स्वरधारा है,
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है ।

जिस दिन सबसे पहिले जागे, नव सिरजन के स्वप्न घने,
जिस दिन देश-काल के दो-दो, विस्तृत विमल वितान तने,
जिस दिन नभ के तारे छिटके, जिस दिन सूरज-चाँद बने ।

तब से है यह देश हमारा, यह अभिमान हमारा है,
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है ।

जब कि घटाओं ने सीखा था, सबसे पहले घहराना,
पहिले-पहल हवाओं ने जब सीखा था, कुछ हहराना,
जब कि जलधि सब सीख रहे थे, सबसे पहिले लहराना,

उसी अनादि-आदि क्षण से यह जन्मस्थान हमारा है,
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है ।

गरज उठे ब्यालीस कोटिजन, सुन ये वचन उछाह-भरे,
काँप उठे प्रतिपक्षी जन-गण, उनके अंतस्तल सिहरे,
आज नये युग के नयनों से ज्वलित अग्नि के पुंज भरे ।

कौन सामने आयेगा, यह देश महान् हमारा है
भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है ।

शब्दार्थ

कोटि करोड़ **सिरजन** सृजन, रचना **घहराना** उमड़ना **हहराना** हवा के तेज चलने से होनेवाली आवाज़ **अनादि** अनंत काल से, अति प्राचीन **उछाह** उत्साह, उल्लास **प्रतिपक्षी** विरोधी **अंतस्तल** हृदय **सिहरना** काँपना **पुंज** समूह

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

(1) करोड़ों कंठों से क्या आवाज़ उठी ?

(2) हिन्दुस्तान के प्रति जनता का अभिमान कब से है ?

(3) नवयुग के नयनों में क्या भरा है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

(1) 'भारतवर्ष हमारा है' यह स्वरधारा किसकी है ?

(2) नवसर्जन के स्वप्न कब से जागे ?

(3) भारतवर्ष हमारा जन्मस्थान कब से है ?

(4) करोड़ों लोगों के उत्साह भरे वचन क्या थे ?

(5) कवि भारत का प्रतिपक्षी किसे मानते हैं ?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

(1) हिन्दुस्तान हमारा है - स्वरधारा किसकी और कब से है ?

(2) कवि बालकृष्ण 'नवीन' - भारत के लिए क्या कहते हैं ?

4. निम्नलिखित का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :

गरज उठे ब्यालीस कोटिजन, सुन ये............
.... हिन्दुस्तान हमारा है ।

योग्यता-विस्तार

- 'मेरा भारत' विषय पर निबंध लिखिए ।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश के विकास की जानकारी प्राप्त करें ।
- 'भारतवर्ष हमारा है' कविता को कंठस्थ कीजिए ।

शिक्षक-प्रवृत्ति

- राष्ट्रभक्ति के गीतों का हस्तलिखित ग्रंथ तैयार करवाइए ।

●